चक्रव्यूह: द एस्केप रूम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (HSNCB) ने **'चक्रव्यूह: द एस्केप रूम'** नामक एक अग्रणी परियोजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य किशोरों को मादक पदार्थों की लत से दूर रखना है।

मुख्य बिंदु:

- चक्रव्यूह, जिसका अर्थ है भूलभुलैया, एक **"एंटी-ड्रग एस्केप रूम"** अर्थात् नशीली दवाओं से बचाव का अनुभव है जिसे गहन और इंटरैक्टिव अधिगम वाले वातावरण के माध्यम से **वास्तविक जीवन की चुनौतियों का अनुकरण** करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इसका **पहला कार्यात्मक स्मार्ट क्लासरूम DAV पब्लिक स्कूल, अंबाला** में लॉन्च किया गया है और इस परियोजना को राज्य भर के अन्य सरकारी व निजी स्कूलों में दोहराया जाएगा।
- इसे **नियंत्रित वातावरण में यथार्थवादी परिदृश्यों का अनुकरण करने** के लिये डिज़ाइन किया गया है जहाँ प्रतिभागियों को स्थितियों से निपटने हेतु अपनी बुद्धि और नैतिक निर्णय का उपयोग करना चाहिये।
  - युवाओं का ध्यान और रुचि आकृष्ट करने वाले आकर्षक एवं लुभावने परिदृश्य बनाने के लिये यह **सेटअप** संवर्द्धित वास्तविकता (Augmented Reality- AR) तथा आभासी वास्तविकता (Virtual Reality- VR) जैसी **आधुनिक तकनीकों से लैस** है।
  - गतिविधि में **चुनौतियों के एक समूह को हल करना** शामिल है, जिनमें से प्रत्येक एक अलग जीवन परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें ड्रग्स/नशीली दवाएँ लेने की इच्छा भी शामिल है।
- एस्केप रूम प्रतिभागियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के परिणामों और **बेहतर निर्णयात्मक कौशल के महत्त्व** के बारे में शिक्षित करता है। यह उन्हें उन परिदृश्यों में तल्लीन कर देता है जिनमें वास्तविक जीवन की स्थितियों को दर्शाते हुए **त्वरित सोच और प्रभावी संचार** की आवश्यकता होती है। यह पहल चुनौतियों के माध्यम से प्रगति के लिये सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता के द्वारा टीम वर्क और सहकर्मी समर्थन तंत्र को बढ़ाती है।
- HSNCB **इस अनुभव को डिजिटल बनाने पर** भी कार्य कर रहा है ताकि गेमिंग में रुचि रखने वाले बच्चे भी **इस गेम को ऑनलाइन खेल सकें** और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में **ज्ञान प्राप्त कर सकें।**

मादक पदार्थों की लत (Drug Addiction)

- यह किसी दवा, विशेष रूप से **नशीली दवाओं के आदी होने की स्थिति** को संदर्भित करता है।
- ये आम तौर पर **अवैध दवाएँ हैं जो किसी व्यक्ति के मनोदशा और व्यवहार को प्रभावित** करती हैं।
- **नशीली दवाओं के दुरुपयोग (Drug Abuse)** से तात्पर्य मस्तिष्क पर **तात्कालिक सुखद प्रभाव उत्पन्न करने के उद्देश्य से कुछ रसायनों के प्रयोग** से है।
- **विश्व भर में 190 मिलियन से अधिक नशीली दवाओं के उपयोगकर्त्ता** हैं और यह समस्या विशेषकर 30 वर्ष से कम उम्र के युवा वयस्कों में खतरनाक दर से बढ़ रही है।
- **नशीली दवाओं की लत से निपटने हेतु सरकारी पहल:**
  - इसके तहत नवंबर, 2016 में नारको-समन्वय केंद्र (Narco-Coordination Centre- NCORD) का गठन किया गया और **"नारकोटिक्स नियंत्रण के लिये राज्यों को वित्तीय सहायता"** की योजना को पुनर्जीवित किया गया।
  - नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को एक नया सॉफ्टवेयर यानी **ज़ब्ती सूचना प्रबंधन प्रणाली** (Seizure Information Management System- **SIMS**) विकसित करने के लिये धन उपलब्ध कराया गया है जो नशीली दवाओं के **अपराधों और संलग्न अपराधियों का एक पूरा ऑनलाइन डेटाबेस** तैयार करेगा।
  - सरकार ने नशीली दवाओं के अवैध व्यापार से निपटने, नशे की लत के शिकार लोगों को बचाने और नशीली दवाओं के दुरुपयोग व दुष्परिणाम के प्रति जनता को शिक्षित करने के संबंध में होने वाले व्यय के निर्वहन के लिये **"नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कोष"** नामक एक कोष का गठन किया है।
  - सरकार **AIIMS** के **नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर** की मदद से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के माध्यम से भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के रुझान का आकलन करने के लिये एक **राष्ट्रीय ड्रग दुरुपयोग सर्वेक्षण** भी आयोजित कर रही है।
  - भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में, विशेषकर नशीली दवाओं का इंजेक्शन लेने वाले लोगों में HIV के बढ़ते प्रसार से निपटने की दिशा में **वर्ष 2016 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा **'प्रोजेक्ट सनराइज़'** शुरू किया गया था।

- **स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, (NDPS) 1985** : यह किसी व्यक्ति को किसी भी नशीले पदार्थ या मन:प्रभावी पदार्थ के उत्पादन, रखने, बेचने, खरीदने, परिवहन, भंडारण और/या उपभोग करने से प्रतिबंधित करता है।
  - **NDPS अधिनियम** को तब से तीन बार **वर्ष 1988, वर्ष 2001** और **वर्ष 2014** में संशोधित किया गया है।
  - यह अधिनियम पूरे भारत में व्याप्त है और यह भारत के बाहर रह रहे सभी भारतीय नागरिकों एवं भारत में पंजीकृत जहाज़ों व विमानों में यात्रा कर रहे सभी व्यक्तियों पर भी लागू होता है।
- सरकार ने **'नशा मुक्त भारत'** या **ड्रग-मुक्त भारत अभियान** शुरू करने की भी घोषणा की है जो सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों पर केंद्रित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chakravyuh-the-escape-room